UNIVERSITY NEWS 22 NOVEMBER 2025

AMAR UJALA

शिव तांडव से शिवमय हुई सांस्कृतिक संध्या

लखनऊ। लखनऊ विवि में 105वें स्थापना सप्ताह के तहत 'संस्कृतिकि' की ओर से शुक्रवार को मालवीय सभागार में भव्य सांस्कृतिक संध्या हुई। इसमें कविता पाठ, राजस्थानी नृत्य, समूह नृत्य, गायन, शास्त्रीय प्रस्तुतियों और प्रभावशाली बैंड परफॉर्मेंस ने सभी का मन मोह लिया। शिव तांडव की प्रस्तुति से माहौल शिवमय हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार डॉ. रहीस सिंह रहे। इसके अलावा लविवि के भूगोल विभाग में मिशन शक्ति के तहत शुक्रवार को जलवायु परिवर्तन का महिलाओं की आजीविका पर प्रभाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें शिवानी पाठक प्रथम, इला मिश्रा द्वितीय और ऋषभ साहू व अनीशा पांडे संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। दूसरी ओर विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में नए प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को कॅरिअर काउंसलिंग सत्र हुआ। लविवि के द्वितीय परिसर में विधि संकाय की एनएसएस इकाइयों ने शुक्रवार को कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. शशि प्रभा जोशी और डॉ. चंद्रशेखर राय के नेतृत्व में वस्त्र दान शिविर का आयोजन किया। स्वयंसेवकों ने ऊनी वस्त्र, कंबल, कपड़े, स्टेशनरी और खाद्य पदार्थ दान किए। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि ने जारी किया विषम सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में विषम सेमेस्टर स्नातक व परास्नातक की परीक्षाएं 25 नवंबर से शुरू हो रही हैं। विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षार्थी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर विषय व तिथिवार परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। शनिवार को प्रवेशपत्र जारी कर दिए जाएंगे। प्रवेश पत्र विवि की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकेंगे। पहली पाली में परीक्षा सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली में परीक्षा दोपहर 1:30 से शाम 4:30 बजे तक होगी। (संवाद)

एआई से अब पेट और आंतों की बीमारियों का लगेगा शुरुआती पता

डॉ. रोहित श्रीवास्तव

लखनऊ। पेट और आंतों की गंभीर बीमारियों की पहचान अब कहीं ज्यादा आसान और सटीक हो गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने एआई आधारित तकनीक विकसित की है, जो एंडोस्कोपी इमेज का गहराई से विश्लेषण कर बीमारी का शुरुआती चरण में ही पता लगा लेती है।

तकनीक की खासियत है इसका सिमेंटिक सेगमेंटेशन सिस्टम, जो एंडोस्कोपी चित्रों में रोगग्रस्त हिस्सों को बारीकी से चिह्नित करता है। छोटे से छोटा पॉलिप्स, अल्सरेटिव कोलाइटिस या किसी भी प्रकार की गड़बड़ी तुरंत पकड़ लेता है। कई बार आंख से न दिखने वाले सूक्ष्म बदलाव भी यह तकनीक उजागर कर देती है।

होगी सटीक और त्वरित डायग्नोसिस : डॉक्टरों के अनुसार, यह प्रणाली निदान को तेज, भरोसेमंद और अत्यंत सटीक बनाती है। सही समय पर बीमारी पकड़ में आने से मरीजों को न केवल तत्काल इलाज मिल जाता है, बल्कि खर्च भी घटता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR

एआई से होगी पेट और आंतों के रोग की पहचान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि के कम्प्यूटर साइंस में विकसित हुई तकनीक
- सेमांटिक सेगमेंटेशन तकनीक से होगा इंडोस्कोपी इमेज का विश्लेषण

अमृत विचारः पेट और आंतों की बीमारियों की शुरुआती चरण में सटीक पहचान अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित यंत्र तैयार किया है। जो पेट और आंतों में होने वाले रोगों की शुरुआती चरण में ही पहचान कर लेगा।

यह तकनीक सेमांटिक सेगमेंटेशन का उपयोग करते हुए एंडोस्कोपी इमेज का गहराई से विश्लेषण करती है। इस तकनीक की मदद से एंडोस्कोपी चित्रों में रोगग्रस्त हिस्सों को बारीकी से चिन्हित किया जाता है, जिससे सूक्ष्म बदलाव या असामान्य क्षेत्र भी स्पष्ट रूप से सामने आ जाते हैं। इसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणाली यह पहचान करने में सक्षम होती है कि मरीज को पॉलीप्स, डाई-डिफ्लेटेड पॉलीप्स, अल्सरेटिव कोलाइटिस जैसी बीमारी है या पेट की सामान्य स्थिति है।

सही समय पर उपचार किफायती भी : सही समय पर बीमारी की पहचान होने से मरीजों का इलाज तेज, सुरक्षित और किफ़ायती हो जाता है। जिससे उनकी तकलीफ़ और खर्च दोनों में कमी आती है। भविष्य में यह तकनीक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

> यह नवाचार पेट और आंतों की बीमारियों की पहचान को अधिक सटीक, उन्नत और समाजहितकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
> -डॉ. रोहित श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, कम्प्यूटर व इंजीनियरिंग विभाग, लविवि

प्रारंभिक चरण में पहचान से समय पर होगा इलाज

- यह तकनीक रोगों को उनके प्रारंभिक चरण में ही पहचान लेती है। जिससे समय पर उपचार संभव हो पाता है। एंडोस्कोपी इमेज में सबसे छोटे बदलावों को भी पहचानने की क्षमता डॉक्टरों को तेज, भरोसेमंद और सटीक परिणाम प्रदान करती है। इससे चिकित्सकों के निर्णय अधिक प्रभावी और कारगर हो जाते हैं।

NBT

रिपोर्ट देखकर AI बताएगा पेट की बीमारी

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: अब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से भी पेट की बीमारियों का पता किया जा सकेगा। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग की ओर से एक एआई मॉडल बनाया गया है। इसमें पेट की बीमारियों की जांच के लिए होने वाली एंडोस्कोपी को एआई की मदद से रीड कर बीमारी का पता लगाया जा सकेगा। सेमांटिक सेगमेंटेशन की मदद से एंडोस्कोपी चित्रों में रोगग्रस्त हिस्सों का अध्ययन बीमारी का पता किया जा सकता है।

इस शोध को कंप्यूटर साइंस विभाग के डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने तैयार किया है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक रोगों को उनके प्रारंभिक चरण में ही पहचान लेती है। पेट और आंतों की बीमारियों की पहचान इससे आसानी से हो सकती है।

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत शेड्यूल तय

एलयू में एमए, एमएससी समेत 15 पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम जारी

निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के एक दर्जन से ज्यादा पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जिसे विद्यार्थी एलयू की वेबसाइट पर जाकर परीक्षा के सेक्शन में देख सकते हैं। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमएससी भौतिक विज्ञान तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं छह से 19 दिसंबर, एमबीए तृतीय सेमेस्टर की आठ से 22 दिसंबर, एग्जीक्यूटिव एमबीए द्वितीय की आठ से 20 दिसंबर, एमएससी न्यूट्रिशियन तृतीय की 13 से 19 दिसंबर, एमए अर्थशास्त्र तृतीय सेमेस्टर की 10 से 19 दिसंबर तक होंगी। इसी तरह एमए हिन्दी, गृह विज्ञान, ज्योतिर्विज्ञान, दर्शनशास्त्र, आचार्य तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच से 15 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी।

6 दिसंबर से एमएससी फिजिक्स तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं

एआई तकनीक से रोगों की होगी सटीक पहचान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने एआई आधारित एक ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसके जरिए पेट और आंतों की बीमारियों की पहचान शुरूआती चरण में ही हो सकेगी। जिससे समय पर उपचार संभव हो सकेगा। इस तकनीक का नाम सेमांटिक सेगमेंटेशन है। जिससे एंडोस्कोपी इमेज का गहराई से विश्लेषण हो सकता है। इससे मरीज के इलाज में आसानी मिलती है।

बीबीएयू: एक दिसंबर से संस्कृत व बौद्ध अध्ययन के सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे

लखनऊ, संवाददाता। बीबीएयू के संस्कृत एवं वैदिक अध्ययन विभाग ने छह माह अवधि वाले सर्टिफिकेट कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 25 नवंबर कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अधिक से अधिक इच्छुक अभ्यर्थी विशेष पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकें इसके लिए तिथि विस्तारित किया है। विवि प्रशासन की मानें तो ये कोर्स एक दिसंबर 2025 से शुरू होकर 31 मई 2026 तक संचालित किए जाएंगे।

विभाग से संचालित सर्टिफिकेट कोर्स इन लर्निंग एंड स्पीकिंग संस्कृत और सर्टिफिकेट कोर्स इन संस्कृत बुद्धिज्म पूरी तरह ऑनलाइन मोड में उपलब्ध होंगे। इन पाठ्यक्रमों में अलग-अलग वर्ग की कुल 40 सीटें हैं। विदेशी छात्रों को सुपरन्यूमरी के रूप में अतिरिक्त अवसर दिए जाएंगे।

भारतीय विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम शुल्क 1000 रुपये और विदेशी प्रतिभागियों के लिए 20 डॉलर निर्धारित किया गया है। विवि की आधिकारिक वेबसाइट से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

25 तक आवेदन का मौका छह माह के कोर्सों के लिए

30 तक जमा कर सकेंगे सेमेस्टर शुल्क

बीबीएयू के विद्यार्थियों के लिए अब 30 नवंबर तक सेमेस्टर शुल्क जमा करने का मौका होगा। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। उनका कहना है कि विद्यार्थी अब 30 नवंबर तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से अपना शुल्क जमा कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देख सकते हैं।

हमें मुक्त होना चाहिए, उन्मुक्त नहीं: प्रो. अजय

लखनऊ। लखनऊ विवि के भूगोल विभाग में मिशन शक्ति के तहत जलवायु परिवर्तन का महिलाओं की आजीविका पर प्रभाव विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजय आर्या ने बताया कि ब्रह्मांड में हमारी पृथ्वी का अस्तित्व एक बिंदु के समान है। पृथ्वी पर रहने वाले हम मानव को प्राकृतिक संसाधनों के इस्तेमाल में मुक्त होना चाहिए, उन्मुक्त नहीं होना।

DAINIK JAGRAN

कविता पाठ और राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति से मोहा मन

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना सप्ताह के अंतर्गत 'संस्कृतिकि' की ओर से मालवीय सभागार में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में शुक्रवार को छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कविता पाठ में प्रतीक मिश्रा ने 'मैं कब कहता हूं जब मेरी दुर्धर गति के अनुकूल हो' सुनाया। पीयूष सुंद्रीयाल व अच्युत बाजपेई की कविताओं से खूब वाहवाही लूटी।

कार्यक्रम में श्रेया शर्मा ने राजस्थानी नृत्य, मानसी तिवारी ने शिव तांडव, अपराजिया बाबू एवं दिशा दत्त के समूह नृत्य की भी लोगों ने तारीफ की। शालिनी तिवारी की मधुर आवाज में 'एक मीरा एक राधा' गीत को सभी ने पसंद किया। छात्र वेदांश का गायन, वृंदा दीक्षित का नृत्य व बैंड की प्रस्तुति भी हुई।

इस अवसर पर कार्यकारी कुलपति प्रोफेसर अरविंद मोहन, विशिष्ट अतिथि के रूप में सूचना सलाहकार डा. रहीस सिंह, हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डा. वाई.पी सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के महासचिव प्रो. अजय आर्य, डायरेक्टर संस्कृतिकी प्रो. अंचल श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

लवि के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्रा • सौ लवि

भाषण प्रतियोगिता में शिवानी प्रथम

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में मिशन शक्ति के अंतर्गत "जलवायु परिवर्तन का महिलाओं की आजीविका पर प्रभाव" विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि प्रो. अजय आर्या ने कहा कि पृथ्वी पर रहने वाले हम मानव को प्राकृतिक संसाधनो के उपयोग में मुक्त होना चाहिए, उन्मुक्त नहीं। प्रतियोगिता में शिवानी पाठक ने प्रथम, इला मिश्रा ने दूसरा और ऋषभ साहू व अनीशा पांडे ने तीसरा स्थान जीता। विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। वि

भविष्य उन्हीं का है जो सीखना नहीं छोड़ते : प्रो. मिग्नानी

करियर काउंसिलिंग सत्र को संबोधित करते प्रो. सर्ज मिग्नानी • सौ लवि

लखनऊ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में नए प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए हुआ करियर काउंसलिंग सत्र

जासं • लखनऊ : 'फार्मेसी केवल एक करियर नहीं, बल्कि समाज की सेवा का माध्यम है। भविष्य उन्हीं का है जो सीखना नहीं छोड़ते।' यह विचार फ्रांस के प्रो. सर्ज मिग्नानी ने शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में नए प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित करियर काउंसिलिंग सत्र में रखे।

नए प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस सत्र के दौरान प्रो. मिग्नानी ने फार्मेसी क्षेत्र में उभरते अवसरों, अनुसंधान की संभावनाओं, उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं और वैश्विक करियर विकल्पों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ साफ्ट स्किल्स, रिसर्च एथिक्स और इनोवेशन की महत्ता को समझाया। प्रो. मिगनानी 186 से अधिक प्रकाशनों और 4957 साइटेशंस के साथ 106 से अधिक पेटेंटों के लेखक हैं। निदेशक प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी, डा. लुबना आजमी उपस्थित रहे।

I NEXT

अब एआई टेक्नीक से एंडोस्कोपी इमेज का होगा सटीक एनालिसिस

GOOD NEWS

एलयू के कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट ने डेवलप की नई एआई टेक्नीक

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने पेट और आंतों की बीमारियों की पहचान के लिए एक एआई टेक्निक डेवलप की है, जो कि सेमांटिक सेगमेंटेशन का यूज करते हुए एंडोस्कोपी इमेज का कंपलीट एनालिसिस करती है. सेमांटिक सेगमेंटेशन की मदद से एंडोस्कोपी इमेजेस में रोगग्रस्त हिस्सों को बारीकी से चिन्हित किया जाता है, जिससे माइनर चेंज भी क्लियरली आ जाते हैं. इसके बाद AI टेक्निक यह पहचान करने में सक्षम होती है कि मरीज को पॉलीप्स, डाई-डिफ़्रेटेड पॉलीप्स, अल्सरेटिव कोलाइटिस जैसी बीमारी है या पेट की सामान्य स्थिति है.

शुरुआती दौर में ही पहचान

यह टेक्नीक डिसीज को उनके प्राइमरी स्टेप में ही पहचान लेती है. जिससे समय पर ट्रीटमेंट संभव हो पाता है. एंडोस्कोपी इमेज में सबसे छोटे बदलावों को भी पहचानने की इसकी क्षमता डॉक्टरों को तेज, भरोसेमंद और सटीक परिणाम प्रदान करती है और सही समय पर बीमारी की पहचान होने से मरीजों का इलाज तेज़, सुरक्षित और किफ़ायती हो जाता है, जिससे उनकी तकलीफ और खर्च दोनों में कमी आती है.

तीन साल के इंतजार के बाद अपनी जगह पहुंचा ज्योतिर्विज्ञान विभाग

साल 2022 में अभिनवगुप्त संकाय में शिफ्ट कर दिया गया था विभाग

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (22 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी का ज्योतिर्विज्ञान विभाग लगभग 3 साल के इंतजार के बाद वापस अपनी जगह पहुंच गया है और अब स्टूडेंट्स की क्लासेज, प्रैक्टिस आदि भी विभाग में ही होगी. दरअसल ज्योतिर्विज्ञान विभाग की स्थापना साल 2001 में हुई थी, जिसके बाद से ये विभाग अपनी बिल्डिंग में चल रहा था, लेकिन साल 2022 में इस विभाग को अभिनवगुप्त संस्थान में शिफ्ट कर दिया गया था, जहां पर इसकी क्लासेज आदि लगती थी, इसके साथ ही जब इस साल जुलाई महीने में ज्योतिष ओपीडी ज्योतिर्विज्ञान विभाग में स्थापित हुई तो यहां पर ओपीडी के काम एवं ड्यूटी के लिए फैकल्टी व स्टूडेंट्स को दो विभागों में आना जाना पड़ता था, हालांकि अब 3 साल बाद इस विभाग को अभिनवगुप्त से हटाकर वापस उसी बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया गया था.

विभाग के कार्य के चलते हुआ था शिफ्ट

जानकारी के मुताबिक साल 2022 में परीक्षा विभाग के कार्य की वजह से फैकल्टी को अभिनवगुप्त में शिफ्ट किया गया था, लेकिन अब चूंकि परीक्षा विभाग का ज्यादातर हिस्सा कौटिल्य भवन में शिफ्ट होगा तो इस फैकल्टी को वापस उसी जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है. अब स्टूडेंट्स की क्लासेज, ओपीडी सब एक ही विभाग में होंगी.

आठ से बीबीए विषम सेमेस्टर के एग्जाम

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किए कई पाठ्यक्रमों के विषम सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई कोर्सों के विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम शुक्रवार को जारी कर दिया है. इसमें बीटेक, एमटेक, बीकाम आनर्स, बीबीए और एमबीए आदि कोर्स शामिल हैं. स्टूडेंट्स विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से विस्तृत समय सारिणी डाउनलोड कर सकते हैं.

इसे भी जानना जरूरी

लखनऊ यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी समय सारिणी के अनुसार बीकाम आनर्स तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 नवंबर से नौ दिसंबर और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित कराई जाएंगी. एमबीए फाइनेंस एंड कंट्रोल तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 29 दिसंबर, एमबीए ह्यूमन रिसोर्स, एमबीए मार्केटिंग, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए बिजनेस एनालिटिक्स, एमबीए इंटरप्रिन्योरशिप एंड फैमिली बिजनेस तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 15 दिसंबर से शुरू होंगी. इसी तरह एमए अंग्रेजी और एमए फ्रेंच तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच से 15 दिसंबर तक होंगी.

शेड्यूल पर एक नजर

- बीबीए आइबी और बीबीए एमएस तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं आठ से 19 दिसंबर तक होंगी.
- बीटेक तीसरे सेमेस्टर एनईपी और ओल्ड कोर्स बैक पेपर की परीक्षाएं 12 से 24 दिसंबर तक.
- बीटेक पांचवें सेमेस्टर एनईपी की परीक्षाएं नौ से 19 दिसंबर तक होंगी. वहीं, इसके ओल्ड कोर्स, बैक पेपर और सातवें सेमेस्टर की परीक्षा नौ से 17 दिसंबर तक होंगी. पार्ट टाइम एम.टेक तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 24 दिसंबर तक होंगी.